



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उपखण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 324]

नई दिल्ली, बुधवार, जुलाई 21, 1977/आषाढ़ 30, 1899

No. 324]

NEW DELHI, THURSDAY, JULY 21, 1977/ASADHA 30, 1899

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed  
as a separate compilation

MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS

(Legislative Department)

NOTIFICATION

New Delhi, the 21st July 1977

**S.O. 578(E).**—In pursuance of the provisions of section 12 of the Presidential and Vice-Presidential Elections Act, 1952 (31 of 1952), the following declaration containing the name of the person elected to the office of President of India is published for general information:—

## DECLARATION

“In pursuance of the provisions contained in clause (a) of section 8 of the Presidential and Vice-Presidential Elections Act, 1952 (31 of 1952), I, Avtar Singh Rikhy, the Returning Officer for the Presidential Election, hereby declare that Shri Neelam Sanjiva Reddy, Nagabihar, Lakshminagar, Anantapur (Andhra Pradesh), being the only candidate who has been validly nominated and who has not withdrawn his candidature in the manner and within the time specified for the purpose, has been duly elected to the office of the President of India.

AVTAR SINGH RIKHY,  
Secretary, Lok Sabha  
&

Returning Officer for the Presidential  
Election”

NEW DELHI,

July 21, 1977

Asadha 30, 1899 (Saka)

[N. F. 13(6)/77-Leg II]

K. K. SUNDARAM, Secy.

## विधि, न्याय और संसदीय कार्य मंत्रालय

(विधानी विभाग)

संविधान

नई दिल्ली, 21 जुलाई, 1977

सं० सं० 578(अ).—राष्ट्रपतीय और उपराष्ट्रपतीय निर्वाचन अधिनियम, 1952 (1952 का 31) की धारा 12 के उपबन्धों के अनुसरण में निम्नलिखित घोषणा, जिसमें भारत के राष्ट्रपति पद के लिए निर्वाचित व्यक्ति का नाम है, सर्वसाधारण की जानकारी के लिए प्रकाशित की जाती है:—

## घोषणा

“राष्ट्रपतीय और उपराष्ट्रपतीय निर्वाचन अधिनियम, 1952 (1952 का 31) की धारा 8 के खंड (क) के उपबन्धों के अनुसरण में, मैं, भवतार सिंह रिक्खी, राष्ट्रपतीय निर्वाचन के लिए रिटनिंग आफिसर, यह घोषणा करता हूँ कि श्री नीलम सजीव रेड्डी, नागबिहार, लक्ष्मीनगर, अनन्तपुर (आन्ध्र प्रदेश), जो एकमात्र अभ्यर्थी हैं और जिन्हें विधिमन्यतः नाम-निविष्ट किया गया है और जिन्होंने इस प्रयोजन के लिए निनिदिष्ट रीति से और समय के भीतर अपनी अभ्यर्थिता वापस नहीं ली है, भारत के राष्ट्रपति पद के लिए सम्यक् रूप से निर्वाचित हुए हैं।

नई दिल्ली,

जुलाई 21, 1977

आषाढ़ 30, 1899 (शक)

भवतार सिंह रिक्खी,

सचिव, लोक सभा

और

राष्ट्रपतीय निर्वाचन के लिए रिटनिंग आफिसर।’

[सं० फा० 13(6)/77-वि०-2]

के० के० सुन्दरम, सचिव।

महा प्रबन्धक, भारत सरकार मन्त्रालय, मिन्टो रोड, नई दिल्ली द्वारा  
मुद्रित तथा निर्यत्रक, प्रकाशन विभाग, दिल्ली द्वारा प्रकाशित 1977